TUITO INTERNATIONAL SCHOOL

HOLIDAY HOME WORK 2020-21

SUBMISSION - ON OPENING OF SCHOOL

INSTRUCTIONS **CLASS – IX**

- Do all the questions in your notebook.
- Please revise all the work done till now.
- In case of any queries contact your subject teacher.
- Use graph paper where required and stick in the notebook.

ENGLISH

1. Make a chart to show the differences between Transitive and Intransitive verbs and Auxiliary and Linking verbs.
2. Make a chart of tenses and its classifications.
3. Write a letter to your childhood friend (who is not financially not much strong) to tell him/her that you can help him/her in every possible way during this crisis time.
4. Write a paragraph on "Ancient versus Modern Education System" in about 200 words.

HINDI

1. मार्च से लेकर जून तक की कोरोना रिपोर्ट तैयार करें साथ ही उसमें बचाव के उपाय लॉकडाउन सभी संलग्न हो। हो सके तो चित्रों का भी प्रयोग कर उसे रोचक बना सकते हैं समाचार पत्र की कटिंग ले सकते हैं

अथवा

कोराना प्रदेश के हालात का सचित्र वर्णन करें कोरोना से पहले की प्रकृति एवं आज की प्रकृति में अंतर चार्ट द्वारा दर्शाए।

2. निबंध लिखें:- विषय: सांप्रदायिक एकता एवं मुझे गर्व मेरे भारत पर

3. दो बैलों की कथा पाठ के किसी भी अनुच्छेद से संबंधित चित्र चार्ट पर बनाएं या हल चलाते हुए किसान एवं प्रकृति का सुंदर चित्र चार्ट पर बनाएं। (A4 सीट पर भी बना सकते हैं।)

4. वेस्ट चीजों से कोई कोई भी एक क्राफ्ट आइटम तैयार करें।

5. हिंदी की कॉपी में 10 पर्यायवाची एवं 10 श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द लिखें।

6. दो व्यक्तियों में बिजली की कटौती को लेकर चर्चा हो रही है। इस बात को संवाद के रूप में प्रस्तुत कीजिए। (हिंदी कॉपी)

MATHS

1. Represent $\sqrt{3}$, $\sqrt{2}$ on the number line.
2. Rationalize the denominators.

   (i) $\frac{1}{\sqrt{2}+\sqrt{3}}$ (ii) $\frac{1}{\sqrt{7}+2}$

   (iii) $\frac{1}{2-\sqrt{3}}$ (iv) $\frac{1}{\sqrt{2}}$

3. Simplify:

   (i) $16^{3/4}$ (ii) $9^3 = 3^x$ find the value of x .

4. Factorise:

   (i) $x^2 + 7x + 6$ (ii) $x^3 - 7x + 6$

   (iii) $2x^2 + 20x + 50$ (iv) $x^2 + 2x + 1$

5. using identity:

   (i) 99^2 (ii) $27x^3 – 125y^3$

   (iii) $(x + 3) (x – 2)$ (iv) $9x^2 – 144y^2$

6. If $x + y + z = 0$, then prove that $x^3 + y^3 + z^3 = 3xyz$
7. Find the length and breadth

   Area = $25x^2 + 20x + 4$

8. Find the area of triangle.

   (i)

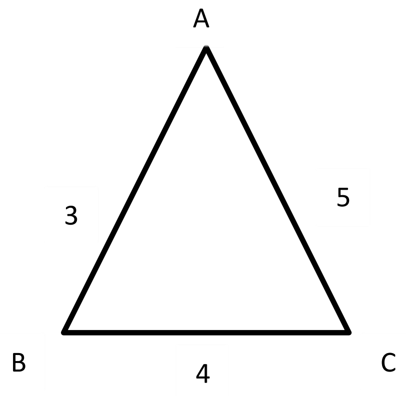

   (ii)

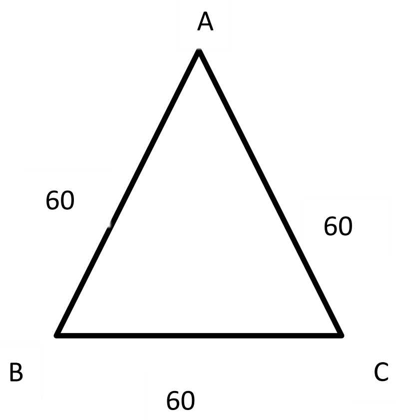

9. A field is in the shape of a trapezium whose parallel sides are 25 m and 10 m. the non-parallel sides are 14 m and 13 m. find the area of the field.

SCIENCE

1. Collect information about any two communicable diseases and present the information in a folder with illustrations, pictures and photographs.

- What are communicable diseases?
- What are the sign and symptoms, cure & preventions ?

2. Make a project report on bio fuels.

- How they are made?
- Pros and Cons of bio fuels

3. Answer the following

Endangered animal species **(Project Report)**	Habitat and climate in which endangered species are found, reasons of being endangered, steps of recovery including scientific methods or any other feature.
Methods to purify water/ Water conservation in daily life **(Model)**	Boiling, filtration, distillation, chlorination, Multi- stage RO filtration or any other method.
Sustainable cities **(Model)**	Cities with zero waste, use of 5 R's principle, use of wind and solar energy, movement on foot or bicycle, use of manure and compost or any other feature.
Unwanted climate change and its control **(Magazine)**	Reasons for climate change, rise in global temperatures, harmful effects, El nino effect, ways to reduce the impact of climate change or any other information.

4.

SCIENCE:

1. Imagine yourself to be a young scientist and make a small model of any invention you would like to do :

a) Make a folder to document the following things about your invention.

b) Material/steps required for your invention.

c) How your invention is useful to mankind?

d) Motivation/ inspiration behind your invention.

5.

Prepare a model to compare plant cell and animal cell using common household items like grains and pulses etc.

S.ST

1. Trace the map of India and mark-
    a. Union Territories
    b. Neighbouring countries

2. What factors affect human resource. Explain with Pictures.
3. Plot a market scene using material available at your home, like waste/scrap material.
4. Why does constitution required for a Democratic Government. Explain with contemporary examples.

SANSKRIT

1. विद्यालय द्वारा देय यह ग्रीष्मकालीन गृह कार्य कक्षा के संपूर्ण विद्यार्थियों के लिए है अतः सभी विद्यार्थी इसे अनिवार्य रूप से पूर्ण करें
2. प्रिय विद्यार्थियों यह ग्रीष्मकालीन गृह कार्य आपके समय के सदुपयोग अध्ययन की निरंतरता हेतु देय है अतः इसे लिखने के साथ-साथ याद भी करें
3. प्रिय विद्यार्थियों आपको प्रेषित शब्द रूप और धातु रूप को सम्यक रूप में याद करना व लिखना है
4. प्रिय विद्यार्थियों आपको गृह कार्य में देय प्रार्थना पत्र वा पत्र को याद करना वह लिखना है
5. प्रिय विद्यार्थियों आपको यदि गृह कार्य से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न होती है तो आप विद्यालय के माध्यम से मुझसे संपर्क कर समाधान पा सकते हैं

9. शब्द रूप

संस्कृत में बिना पद बनाये किसी भी शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता है। अर्थात् भाषा में प्रयोग करने के लिए उस शब्द को **'पद'** बनाना पड़ता है। पद बनाने के लिए उसमें **सुप् या तिङ् प्रत्यय** जोड़े जाते हैं।
ये सुप् प्रत्यय (सु और जस् आदि) 21 तथा तिङ् प्रत्यय (तिप् तस् झि.....) 18 है।
जैसे— **'राम'** शब्द से प्रथमा विभक्ति एकवचन में सु प्रत्यय लगाने (राम + सु) पर **'रामः'** एक पद बनता है। अब भाषा में 'रामः' पद का प्रयोग किया जा सकता है।

शब्दरूपाणि

अकारान्त - अ है जिसके अन्त में वह संज्ञा शब्द **अकारान्त** कहलाता है। ये तीनों लिंगों में होते हैं।
यथा—
पुल्लिंग - राम, बालक, मोहन, विद्यालय आदि।
स्त्रीलिंग - कोई नहीं
नपुसंकलिंग - फल, जल आदि।
आकारान्त — आ है जिसके अन्त में।
पुल्लिंग - राजा आदि।
स्त्रीलिंग - लता, रमा, सुनीता आदि।
नपुसंकलिंग - इसमें नहीं होते।
इकारान्त - इ है जिसके अन्त में—
पुल्लिंग - रवि, मुनि, कवि, हरि आदि।
स्त्रीलिंग - मति, छवि, बुद्धि आदि।
नपुसंकलिंग - वारि आदि।
ईकारान्त — ई है जिसके अन्त में।
पुल्लिंग - संन्यासी आदि।
स्त्रीलिंग - रानी, नदी, श्री आदि।
नपुसंकलिंग - इसमें कोई नहीं
उकारान्त — उ है जिसके अन्त में
पुल्लिंग - गुरु, भानु, रिपु आदि।
स्त्रीलिंग - धेनु, रेणु आदि।
नपुसंकलिंग - मधु, जानु आदि।
ऊकारान्त - ऊ है जिसके अन्त में
पुल्लिंग - स्वयम्भू आदि।
स्त्रीलिंग - वधू, भू आदि।
नपुसंकलिंग - इसमें कोई नहीं है।
7. **ऋकारान्त** - ऋ है जिसके अन्त में।
पुल्लिंग - पितृ, भातृ आदि।
स्त्रीलिंग - मातृ।
नपुसंकलिंग - कर्तृ आदि।

बालक (अकारान्त पुल्लिंग संज्ञा शब्द)

विभक्ति	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	बालकः	बालकौ	बालकाः
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
तृतीया	बालकेन	बालकाभ्याम्	बालकैः
चतुर्थी	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
पञ्चमी	बालकात्	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
षष्ठी	बलकस्य	बालकयोः	बालकानाम्
सप्तमी	बालके	बालकयोः	बालकेषु
सम्बोधन	हे बालक!	हे बालकौ!	हे बालकाः!

इसी प्रकार राम, छात्र, कृष्ण, सर्प, मृग, पुत्र, ग्राम, नृप, गज, पुरुष, विद्यालय, वृक्ष आदि।

हरि (अकारान्त पुल्लिंग संज्ञा शब्द)

विभक्ति	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	हरिः	हरी	हरयः
द्वितीया	हरिम्	हरी	हरीन्
तृतीया	हरिणा	हरिभ्याम्	हरिभिः
चतुर्थी	हरये	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
पञ्चमी	हरेः	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
षष्ठी	हरेः	हर्योः	हरीणाम्
सप्तमी	हरौ	हर्योः	हरिषु
सम्बोधन	हे हरे!	हे हरी!	हे हरयः!

इसी प्रकार मुनि, कवि, कपि, रवि, गिरि, विधि, यति, भूपति आदि

लता (आकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द)

विभक्ति	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	लता	लते	लताः
द्वितीया	लताम्	लते	लताः
तृतीया	लतया	लताभ्याम्	लताभिः
चतुर्थी	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्यः
पञ्चमी	लतायाः	लताभ्याम्	लताभ्यः
षष्ठी	लतायाः	लतयोः	लतानाम्
सप्तमी	लतायाम्	लतयोः	लतासु
सम्बोधन	हे लते!	हे लते!	हे लताः!

इसी प्रकार रमा, बालिका, राधा, गीता, मीना, कथा, कक्षा, शाला आदि

मति (इकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञा शब्द)

विभक्ति	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	मतिः	मती	मतयः
द्वितीया	मतिम्	मती	मतीः
तृतीया	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः
चतुर्थी	मत्यै, मतये	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
पञ्चमी	मत्याः-मतेः	मतिभ्याम्	मतिभ्यः
षष्ठी	मत्याः-मतेः	मत्योः	मतीनाम्
सप्तमी	मत्याम्-मतौ	मत्योः	मतिषु
सम्बोधन	हे मते!	हे मती!	हे मतयः!

इसी प्रकार प्रकृति, भक्ति, शक्ति, व्यक्ति, स्मृति, सूक्ति, पद्धति आदि

Scanned by CamScanner

(13) धेनु (उकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	धेनुः	धेनू	धेनवः
द्वितीया	धेनुम्	धेनू	धेनूः
तृतीया	धेन्वा	धेनुभ्याम्	धेनुभिः
चतुर्थी	धेन्वै, धेनवे	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
पञ्चमी	धेन्वाः, धेनोः	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः
षष्ठी	धेन्वाः, धेनोः	धेन्वोः	धेनूनाम्
सप्तमी	धेन्वाम्, धेनौ	धेन्वोः	धेनुषु
सम्बोधन	हे धेनो!	हे धेनू!	हे धेनवः!

(14) वधू (ऊकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	वधूः	वध्वौ	वध्वः
द्वितीया	वधूम्	वध्वौ	वधूः
तृतीया	वध्वा	वधूभ्याम्	वधूभिः
चतुर्थी	वध्वै	वधूभ्याम्	वधूभ्यः
पञ्चमी	वध्वाः	वधूभ्याम्	वधूभ्यः
षष्ठी	वध्वाः	वध्वोः	वधूनाम्
सप्तमी	वध्वाम्	वध्वोः	वधूषु
सम्बोधन	हे वधु!	हे वध्वौ!	हे वध्वः!

(15) स्त्री (ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	स्त्री	स्त्रियौ	स्त्रियः
द्वितीया	स्त्रियम्, स्त्रीम्	स्त्रियौ	स्त्रीः/स्त्रियः
तृतीया	स्त्रिया	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभिः
चतुर्थी	स्त्रियै	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः
पञ्चमी	स्त्रियाः	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः
षष्ठी	स्त्रियाः	स्त्रियोः	स्त्रीणाम्
सप्तमी	स्त्रियाम्	स्त्रियोः	स्त्रीषु
सम्बोधन	हे स्त्रि!	हे स्त्रियौ!	हे स्त्रियः!

(16) फल (अकारान्त नपुंसकलिङ्ग)

प्रथमा	फलम्	फले	फलानि
द्वितीया	फलम्	फले	फलानि
तृतीया	फलेन	फलाभ्याम्	फलैः
चतुर्थी	फलाय	फलाभ्याम्	फलेभ्यः
पञ्चमी	फलात्	फलाभ्याम्	फलेभ्यः
षष्ठी	फलस्य	फलयोः	फलानाम्
सप्तमी	फले	फलयोः	फलेषु
सम्बोधन	हे फल!	हे फले!	हे फलानि!

(17) वारि (इकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	वारि	वारिणी	वारीणि
द्वितीया	वारि	वारिणी	वारीणि
तृतीया	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभिः
चतुर्थी	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
पञ्चमी	वारिणः	वारिभ्याम्	वारिभ्यः
षष्ठी	वारिणः	वारिणोः	वारीणाम्
सप्तमी	वारिणि	वारिणोः	वारिषु
सम्बोधन	हे वारि, हे वारे!	हे वारिणी!	हे वारीणि!

(18) मधु (उकारान्त नपुंसकलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	मधु	मधुनी	मधूनि
द्वितीया	मधु	मधुनी	मधूनि
तृतीया	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभिः
चतुर्थी	मधुने	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
पञ्चमी	मधुनः	मधुभ्याम्	मधुभ्यः
षष्ठी	मधुनः	मधुनोः	मधूनाम्
सप्तमी	मधुनि	मधुनोः	मधुषु
सम्बोधन	हे मधु, मधो!	हे मधुनी!	हे मधूनि!

(19) जगत् (तकारान्त नुपंसकलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	जगत्	जगती	जगन्ति
द्वितीया	जगत्	जगती	जगन्ति
तृतीया	जगता	जगद्भ्याम्	जगद्भिः
चतुर्थी	जगते	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
पञ्चमी	जगतः	जगद्भ्याम्	जगद्भ्यः
षष्ठी	जगतः	जगतोः	जगताम्
सप्तमी	जगति	जगतोः	जगत्सु
सम्बोधन	हे जगत्!	हे जगती!	हे जगन्ति!

(20) अस्मद् (सर्वनाम शब्द)

प्रथमा	अहम्	आवाम्	वयम्
द्वितीया	माम् मा	आवाम् नौ	अस्मान् नः
तृतीया	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
चतुर्थी	मह्यम् मे	आवाभ्याम् नौ	अस्मभ्यम् नः
पञ्चमी	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
षष्ठी	मम मे	आवयोः नौ	अस्माकम् नः
सप्तमी	मयि	आवयोः	अस्मासु

Scanned by CamScanner

(21) युष्मद् (सर्वनाम शब्द)

प्रथमा	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया	त्वाम्	युवाम्	युष्मान्
	त्वा	वाम्	वः
तृतीया	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
चतुर्थी	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
	ते	वाम्	वः
पञ्चमी	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	तव	युवयोः	युष्माकम्
	ते	वाम्	वः
सप्तमी	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

(22) सर्व (सर्वनाम पुँल्लिङ्ग शब्द)

प्रथमा	सर्वः	सर्वौ	सर्वे
द्वितीया	सर्वम्	सर्वौ	सर्वान्
तृतीया	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
चतुर्थी	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पञ्चमी	सर्वस्मात्/सर्वस्माद्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
षष्ठी	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
सप्तमी	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु

सर्वा (सर्वनाम स्त्रीलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	सर्वा	सर्वे	सर्वाः
द्वितीया	सर्वाम्	सर्वे	सर्वाः
तृतीया	सर्वया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः
चतुर्थी	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
पञ्चमी	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
षष्ठी	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्
सप्तमी	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु

सर्व (सर्वनाम नपुंसकलिङ्ग शब्द)

प्रथमा	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
द्वितीया	सर्वम्	सर्वे	सर्वाणि
तृतीया	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
चतुर्थी	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
पञ्चमी	सर्वस्मात्/सर्वस्माद्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
षष्ठी	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
सप्तमी	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु

(23) तत् (सर्वनाम शब्द पुँल्लिङ्ग)

प्रथमा	सः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्/तस्माद्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

तत् (सर्वनाम शब्द स्त्रीलिङ्ग)

प्रथमा	सा	ते	ताः
द्वितीया	ताम्	ते	ताः
तृतीया	तया	ताभ्याम्	ताभिः
चतुर्थी	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः
पञ्चमी	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
षष्ठी	तस्याः	तयोः	तासाम्
सप्तमी	तस्याम्	तयोः	तासु

तत् (सर्वनाम शब्द नपुंसकलिङ्ग)

प्रथमा	तत्	ते	तानि
द्वितीया	तत्	ते	तानि
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्/तस्माद्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

(24) इदम् (सर्वनाम पुँल्लिङ्ग शब्द)

प्रथमा	अयम्	इमौ	इमे
द्वितीया	इमम्	इमौ	इमान्
तृतीया	अनेन	आभ्याम्	एभिः
चतुर्थी	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः
पञ्चमी	अस्मात्/अस्माद्	आभ्याम्	एभ्यः
षष्ठी	अस्य	अनयोः	एषाम्
सप्तमी	अस्मिन्	अनयोः	एषु

Scanned by CamScanner

धातु रूप

(1) भू (होना)

लट्लकार (वर्तमान)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र0 पु0	भवति	भवतः	भवन्ति
म0 पु0	भवसि	भवथः	भवथ
उ0 पु0	भवामि	भवावः	भवामः

लोट्लकार (आज्ञा अर्थ)

प्र0 पु0	भवतु/भवतात्	भवताम्	भवन्तु
म0 पु0	भव	भवतम्	भवत
उ0 पु0	भवानि	भवाव	भवाम

लङ्लकार (भूतकाल, अनद्यतन)

प्र0 पु0	अभवत्	अभवताम्	अभवन्
म0 पु0	अभवः	अभवतम्	अभवत
उ0 पु0	अभवम्	अभवाव	अभवाम

विधिलिङ्लकार (आज्ञा या चाहिए अर्थ)

प्र0 पु0	भवेत्	भवेताम्	भवेयुः
म0 पु0	भवेः	भवेतम्	भवेत
उ0 पु0	भवेयम्	भवेव	भवेम

लृट्लकार (भविष्यत्)

प्र0 पु0	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति
म0 पु0	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ
उ0 पु0	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः

(2) पच् (पकाना)

लट्लकार (वर्तमान काल)

प्र0 पु0	पचति	पचतः	पचन्ति
म0 पु0	पचसि	पचथः	पचथ
उ0 पु0	पचामि	पचावः	पचामः

लोट्लकार (आज्ञार्थक)

प्र0 पु0	पचतु/पचतात्	पचताम्	पचन्तु
म0 पु0	पच	पचतम्	पचत
उ0 पु0	पचानि	पचाव	पचाम

लङ्लकार (भूतकाल)

प्र0 पु0	अपचत्	अपचताम्	अपच
म0 पु0	अपचः	अपचतम्	अपच
उ0 पु0	अपचम्	अपचाव	अपचा

विधिलिङ्लकार (आज्ञा या चाहिए)

प्र0 पु0	पचेत्	पचेताम्	पचेयुः
म0 पु0	पचेः	पचेतम्	पचेत
उ0 पु0	पचेयम्	पचेव	पचेम

लृट्लकार (भविष्यत्काल)

प्र0 पु0	पक्ष्यति	पक्ष्यतः	पक्ष्यन्ति
म0 पु0	पक्ष्यसि	पक्ष्यथः	पक्ष्यथ
उ0 पु0	पक्ष्यामि	पक्ष्यावः	पक्ष्यामः

(3) नम् (झुकना, प्रणाम करना)

लट्लकार

प्र0 पु0	नमति	नमतः	नमन्ति
म0 पु0	नमसि	नमथः	नमथ
उ0 पु0	नमामि	नमावः	नमामः

लोट्लकार

प्र0 पु0	नमतु/नमतात्	नमताम्	नमन्तु
म0 पु0	नम	नमतम्	नमत
उ0 पु0	नमानि	नमाव	नमाम

लङ्लकार

प्र0 पु0	अनमत्	अनमताम्	अनमन्
म0 पु0	अनमः	अनमतम्	अनमत
उ0 पु0	अनमम्	अनमाव	अनमाम

विधिलिङ्लकार

प्र0 पु0	नमेत्	नमेताम्	नमेयुः
म0 पु0	नमेः	नमेतम्	नमेत
उ0 पु0	नमेयम्	नमेव	नमेम

लृट्लकार

प्र0 पु0	नंस्यति	नंस्यतः	नंस्यन्ति
म0 पु0	नंस्यसि	नंस्यथः	नंस्यथ
उ0 पु0	नंस्यामि	नंस्यावः	नंस्यामः

Scanned by CamScanner

(4) गम् (जाना)

लट्लकार

प्र० पु०	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
म० पु०	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ
उ० पु०	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः

लोट्लकार

प्र० पु०	गच्छतु/गच्छतात्	गच्छताम्	गच्छन्तु
म० पु०	गच्छ	गच्छतम्	गच्छत
उ० पु०	गच्छानि	गच्छाव	गच्छाम

लङ्लकार

प्र० पु०	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
म० पु०	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत
उ० पु०	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम

विधिलिङ्लकार

प्र० पु०	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः
म० पु०	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत
उ० पु०	गच्छेयम्	गच्छेव	गच्छेम

लृट्लकार

प्र० पु०	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति
म० पु०	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
उ० पु०	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः

(5) दृश् (देखना)

लट्लकार

प्र० पु०	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
म० पु०	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ
उ० पु०	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः

लोट्लकार

प्र० पु०	पश्यतु/पश्यतात्	पश्यताम्	पश्यन्तु
म० पु०	पश्य	पश्यतम्	पश्यत
उ० पु०	पश्यानि	पश्याव	पश्याम

लङ्लकार

प्र० पु०	अपश्यत्	अपश्यताम्	अपश्यन्
म० पु०	अपश्यः	अपश्यतम्	अपश्यत
उ० पु०	अपश्यम्	अपश्याव	अपश्याम

विधिलिङ्लकार

प्र० पु०	पश्येत्	पश्येताम्	पश्येयुः
म० पु०	पश्येः	पश्येतम्	पश्येत
उ० पु०	पश्येयम्	पश्येव	पश्येम

लृट्लकार

प्र० पु०	द्रक्ष्यति	द्रक्ष्यतः	द्रक्ष्यन्ति
म० पु०	द्रक्ष्यसि	द्रक्ष्यथः	द्रक्ष्यथ
उ० पु०	द्रक्ष्यामि	द्रक्ष्यावः	द्रक्ष्यामः

(6) पा (पीना)

लट्लकार

प्र० पु०	पिबति	पिबतः	पिबन्ति
म० पु०	पिबसि	पिबथः	पिबथ
उ० पु०	पिबामि	पिबावः	पिबामः

लोट्लकार

प्र० पु०	पिबतु/पिबतात्	पिबताम्	पिबन्तु
म० पु०	पिब	पिबतम्	पिबत
उ० पु०	पिबानि	पिबाव	पिबाम

लङ्लकार

प्र० पु०	अपिबत्	अपिबताम्	अपिबन्
म० पु०	अपिबः	अपिबतम्	अपिबत
उ० पु०	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम

विधिलिङ्लकार

प्र० पु०	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः
म० पु०	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत
उ० पु०	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम

लृट्लकार

प्र० पु०	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति
म० पु०	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ
उ० पु०	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः

(7) जि (जीतना)

लट्लकार

प्र० पु०	जयति	जयतः	जयन्ति
म० पु०	जयसि	जयथः	जयथ
उ० पु०	जयामि	जयावः	जयामः

लोट्लकार

प्र० पु०	जयतु/जयतात्	जयताम्	जयन्तु
म० पु०	जय	जयतम्	जयत
उ० पु०	जयानि	जयाव	जयाम

लङ्लकार

प्र० पु०	अजयत्	अजयताम्	अजयन्
म० पु०	अजयः	अजयतम्	अजयत
उ० पु०	अजयम्	अजयाव	अजयाम

Scanned by CamScanner

विधिलिङ्लकार

प्र0 पु0	जयेत्	जयेताम्	जयेयुः
म0 पु0	जयेः	जयेतम्	जयेत
उ0 पु0	जयेयम्	जयेव	जयेम

लृट्लकार

प्र0 पु0	जेष्यति	जेष्यतः	जेष्यन्ति
म0 पु0	जेष्यसि	जेष्यथः	जेष्यथ
उ0 पु0	जेष्यामि	जेष्यावः	जेष्यामः

(8) श्रु (सुनना)

लट्लकार

प्र0 पु0	शृणोति	शृणुतः	शृण्वन्ति
म0 पु0	शृणोषि	शृणुथः	शृणुथ
उ0 पु0	शृणोमि	शृणुवः, शृण्वः	शृणुमः, शृण्मः

लोट्लकार

प्र0 पु0	शृणोतु/शृणुतात्	शृणुताम्	शृण्वन्तु
म0 पु0	शृणु/शृणुतात्	शृणुतम्	शृणुत
उ0 पु0	शृणवानि	शृणवाव	शृणवाम

लङ्लकार

प्र0 पु0	अशृणोत्	अशृणुताम्	अशृण्वन्
म0 पु0	अशृणोः	अशृणुतम्	अशृणुत
उ0 पु0	अशृणवम्	अशृणुव, अशृण्व	अशृणुम, अशृण्म

विधिलिङ्लकार

प्र0 पु0	शृणुयात्	शृणुयाताम्	शृणुयुः
म0 पु0	शृणुयाः	शृणुयातम्	शृणुयात
उ0 पु0	शृणुयाम्	शृणुयाव	शृणुयाम

लृट्लकार

प्र0 पु0	श्रोष्यति	श्रोष्यतः	श्रोष्यन्ति
म0 पु0	श्रोष्यसि	श्रोष्यथः	श्रोष्यथ
उ0 पु0	श्रोष्यामि	श्रोष्यावः	श्रोष्यामः

(9) सेव् (सेवा करना)

लट्लकार

प्र0 पु0	सेवते	सेवेते	सेवन्ते
म0 पु0	सेवसे	सेवेथे	सेवध्वे
उ0 पु0	सेवे	सेवावहे	सेवामहे

लोट्लकार

प्र0 पु0	सेवताम्	सेवेताम्	सेवन्ताम्
म0 पु0	सेवस्व	सेवेथाम्	सेवध्वम्
उ0 पु0	सेवै	सेवावहै	सेवामहै

लङ्लकार

प्र0 पु0	असेवत	असेवेताम्	असेवन्त
म0 पु0	असेवथाः	असेवेथाम्	असेवध्वम्
उ0 पु0	असेवे	असेवावहि	असेवामहि

विधिलिङ्लकार

प्र0 पु0	सेवेत	सेवेयाताम्	सेवेरन्
म0 पु0	सेवेथाः	सेवेयाथाम्	सेवेध्वम्
उ0 पु0	सेवेय	सेवेवहि	सेवेमहि

लृट्लकार

प्र0 पु0	सेविष्यते	सेविष्येते	सेविष्यन्ते
म0 पु0	सेविष्यसे	सेविष्येथे	सेविष्यध्वे
उ0 पु0	सेविष्ये	सेविष्यावहे	सेविष्यामहे

(10) लभ् (पाना)

लट्लकार

प्र0 पु0	लभते	लभेते	लभन्ते
म0 पु0	लभसे	लभेथे	लभध्वे
उ0 पु0	लभे	लभावहे	लभामहे

लोट्लकार

प्र0 पु0	लभताम्	लभेताम्	लभन्ताम्
म0 पु0	लभस्व	लभेथाम्	लभध्वम्
उ0 पु0	लभै	लभावहै	लभामहै

लङ्लकार

प्र0 पु0	अलभत	अलभेताम्	अलभन्त
म0 पु0	अलभथाः	अलभेथाम्	अलभध्वम्
उ0 पु0	अलभे	अलभावहि	अलभामहि

विधिलिङ्लकार

प्र0 पु0	लभेत	लभेयाताम्	लभेरन्
म0 पु0	लभेथाः	लभेयाथाम्	लभेध्वम्
उ0 पु0	लभेय	लभेवहि	लभेमहि

लृट्लकार

प्र0 पु0	लप्स्यते	लप्स्येते	लप्स्यन्ते
म0 पु0	लप्स्यसे	लप्स्येथे	लप्स्यध्वे
उ0 पु0	लप्स्ये	लप्स्यावहे	लप्स्यामहे

Scanned by CamScanner

अनौपचारिक-पत्राणि

(1) पित्रे पत्रम्

जयपुरत:

दिनाङ्कः 11.03.20__

श्रद्धेयेषु पितृचरणेषु,

सादरं प्रणामाः।

अत्रकुशलं तत्रास्तु। भवदीयं स्नेहापूरितं पत्रम अद्यैव अहं प्राप्तवान्। सम्पूर्णं वृत्तं च ज्ञातवान्। अधुना मम वार्षिकी परीक्षा प्रचलति। परीक्षायाम् इदानीं यावत् सर्वाणि प्रश्नपत्राणि सम्यक् अभवन्। शेषविषयाणां स्थितिः अपि समीचीना वर्तते। आशासे यत् परीक्षायाम् उत्तमान् अङ्कान् प्राप्य कक्षायां श्रेष्ठस्थानं प्राप्स्यामि।

परीक्षानन्तरं शीघ्रमेव गृहम् आगमिष्यामि। पूजनीयेषु मातृचरणेषु मम प्रणामः कथनीयः। अनुजाय आशिषः।

भवदाज्ञाकारी पुत्रः

राकेशः

हिन्दी अनुवाद—

पिता के लिए पत्र

जयपुर

दिनाङ्कः 11.03.20__

श्रद्धेय पिता के चरणों में

सादर प्रणाम।

यहाँ कुशल हैं, वहाँ भी कुशल हों। आपका स्नेह (प्रेम) भरा हुआ पत्र आज ही मुझे प्राप्त हुआ। सम्पूर्ण समाचार मालूम हुए। अब मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही है। परीक्षा में इस समय तक सभी प्रश्नपत्र ठीक हुए हैं। शेष विषयों की स्थिति भी ठीक है। आशा है कि परीक्षा में अच्छे अङ्क प्राप्त करके कक्षा में अच्छा स्थान प्राप्त करूँगा।

परीक्षा के बाद शीघ्र ही घर आऊँगा। पूज्यनीय माताजी के चरणों में प्रणाम कहना। छोटे भाई के लिए आशीर्वाद।

आपका आज्ञाकारी बेटा

राकेश

(2) अनुजाय पत्रम्

Scanned by CamScanner

(3) मित्राय पत्रम्

अजयमेरुतः

दिनाङ्कः 08.05.20__

प्रियमित्र दीपक!

नमस्ते!

अत्र अहं कुशलः, भवतः कुशलतां कामये। अहं मातापितृभ्यां सह अस्मिन् ग्रीष्मावकाशसमये भ्रमणार्थं हिमाचलप्रदेशं गमिष्यामि। भवान् अपि अस्माभिः सह तत्र चलतु इति मम प्रबलेच्छा अस्ति। वयं सर्वे तत्र मिलित्वा आनन्दानुभवं करिष्यामः। मदीयः अयं प्रस्तावः भवते रोचते चेत्, ज्ञापयतु।

परिवारे पूज्येभ्यो सर्वेभ्यो जनेभ्यो मम सादरप्रणामः निवेदनीयः। पत्रस्योत्तरं शीघ्रमेव प्रेषणीयम्।

भवतः मित्रम्

सोहनः

हिन्दी अनुवाद— **मित्र के लिए पत्र**

Scanned by CamScanner

प्रार्थना-पत्राणि

1. भवान् दशम्याः कक्षायाः छात्रः महेन्द्रः अस्ति। स्वविद्यालयस्य प्रधानाचार्याय दिनद्वयस्य रुग्णावकाशार्थं प्रार्थनापत्र लेखतु।

उत्तरम्—

सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्रधानाचार्यामहोदयाः

राजकीयः आदर्श-उच्च माध्यमिक-विद्यालयः,

जयपुरम् (राज.)

विषयः- दिनद्वयस्य रुग्णावकाशार्थं प्रार्थनापत्रम्।

महोदयाः !

उपर्युक्तविषयान्तर्गते निवेदनम् अस्ति यत् अहं गतदिवसात् अतीव रुग्णोऽस्मि। अतः अहं विद्यालयम् आगन्तुं समर्थः नास्मि।

प्रार्थना अस्ति यत् 13.3.20__ तः 14.3.20__ दिनाङ्कपर्यन्तं दिनद्वयस्य अवकाशं स्वीकृत्य माम् अनुग्रहीष्यन्ति।

भवताम् आज्ञाकारी शिष्यः

दिनांक

13.03.20__

महेन्द्रः

कक्षा-दशमी

हिन्दी अनुवाद—

Scanned by CamScanner